To Get Current Affairs PDF, WhatsApp "SSGC" to 8081255444

ssgcp.com
t.me/ssgcp
ssgc.gs.qa
ssghatnachakra
SamsamyikGhatna

ई-बुक पढ़ें अपडेटेड रहें

2024

उत्तर प्रदेश तथ्य सार

(15 फरवरी, 2024 तक अद्यतन)

अयोध्या रामजन्मभूमि मंदिर : प्राण प्रतिष्ठा समारोह

सम-सामयिक
घटना चक्र
परीक्षा संवाद के 31 वर्ष

उत्तर प्रदेश बजट 2024-25 सम्मिलित

CASH BACK ₹50

Validity upto February 2025

Scan, JOIN & FOLLOW
घटना चक्र CHANNEL
Get News Update, Free PDF, Free Coupon Code and Much more...

See Cover Page - 2

© प्रकाशकाधीन :
संस्करण- 21वां
संस्करण वर्ष- 2024
ले.- SSGC
मूल्य : 150/-
ISBN : 978-93-95943-83-3
मुद्रक - कोर पब्लिशिंग सोल्यूशन
मुद्रण क्रम - प्रथम

संपर्क-

सम-सामयिक घटना चक्र
188A/128 एलनगंज, चर्चलेन
प्रयागराज (इलाहाबाद) - 211002
Ph.: 0532-2465524, 2465525
Mob.: 9335140296
e-mail : ssgcald@yahoo.co.in
Website : ssgcp.com
e-shop Website : shop.ssgcp.com

■ इस प्रकाशन के किसी भी अंश का पुन: प्रस्तुतीकरण या किसी भी रूप में प्रतिलिपिकरण (फोटोप्रति या किसी भी माध्यम में ग्राफिक्स के रूप में संग्रहण, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिकीकरण द्वारा जहां कहीं या अस्थायी रूप से या किसी अन्य प्रकार के प्रसंगवश इस प्रकाशन का उपयोग भी) कॉपीराइट के स्वामित्व धारक के लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

किसी भी प्रकार से इसके भंग होने या अनुमति न लेने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के उन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

*इस प्रकाशन से संबंधित सभी विवादों का निपटारा न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज (इलाहाबाद) के न्यायालय न्यायाधिकरण के अधीन होगा।

संकलन सहयोग-
- **आशुतोष श्रीवास्तव**
- **शिव शंकर तिवारी**
- **विजय प्रताप सिंह**
- **मोहित यादव**
- **धर्मेंद्र कुमार मिश्र**
- **शशिचन्द्र उपाध्याय**
- **पीयूष तिवारी**
- **आदेश पाण्डेय**
- **फैज़ुल इस्लाम अंसारी**
- **मोहम्मद ताहिर**

समारंभ

उत्तर प्रदेश में सिविल सेवा के परीक्षार्थी यदि उत्तर प्रदेश से संबंधित जानकारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की विभागीय वेबसाइटों को खोलकर बैठ जाएं तो वे हैरान होने की हद तक उलझन में पड़ सकते हैं। बड़ी मुश्किल होगी यह जानकारी करने में कि उ. प्र. में टाइगर रिज़र्व 3 हैं, या चार। क्षेत्रफल की दृष्टि से उ.प्र. का सबसे छोटा जिला कौन-सा है? गाजियाबाद, हापुड़ या फिर भदोही। वेबसाइटों के मुख पृष्ठ पर आप जानकारी पाएंगे कि उ.प्र. का कुल क्षेत्रफल 240928 वर्ग किमी. है, किंतु अंदर के पृष्ठों में यह क्षेत्रफल कम हो गया होगा या फिर अधिक। परीक्षार्थियों की इन समस्याओं का हमें बखूबी ध्यान है। इसीलिए हमने जगह-जगह पर मूल स्रोतों द्वारा प्रदत्त सूचनाओं की त्रुटियों तथा विभिन्नताओं को ध्यान में रखा है तथा यथा स्थान उन्हें इंगित भी किया है। त्रुटियों के सुधार के लिए केंद्र सरकार की आधिकारिक वेबसाइटों द्वारा प्रस्तुत सूचनाओं तथा उ.प्र. की अधिक अद्यतन विभागों द्वारा प्रदत्त सूचनाओं का प्रयोग किया गया है। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संबंधी सूचनाओं की अधिक अद्यतन स्थिति के लिए केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइट का सहारा लिया गया है। राज्य सभा की सीटें उ.प्र. में कितनी हैं?, इसका स्रोत राज्य सभा की वेबसाइट से उत्तम क्या हो सकता है? नगर निगम, नगर पंचायत इत्यादि की संख्याएं उ.प्र. स्थानीय निकाय निदेशालय की वेबसाइट पर अधिक अद्यतन स्थिति के रूप में हैं, अत: हम वहां पहुंचे हैं। उ.प्र. के नए जिलों से संबंधित जानकारियों के लिए एकमात्र स्रोत उत्तर प्रदेश सरकार की आधिकारिक वेबसाइटें ही हैं, अत: उनकी क्रास चेकिंग केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त जानकारियों से संभव नहीं हो सकी है। जिलों से संबंधित जानकारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार सांख्यिकीय पत्रिका प्रकाशित करती है। इंटरनेट पर जिसका 2022 का संस्करण उपलब्ध है। उ.प्र. तथ्य सार के इस अंक में हमने मानचित्रों के माध्यम से जानकारियां प्रस्तुत करने के तरीके का भी इस्तेमाल किया है। उम्मीद है कि यह प्रस्तुतीकरण परीक्षार्थियों को पसंद आएगा। उ.प्र. तथ्य सार 2024 में प्रकाशित किसी जानकारी/ तथ्य के संबंध में कोई शंका उत्पन्न हो तो आप दूरभाष पर हमसे बेहिचक जानकारी मांग सकते हैं।

अनुक्रमणिका

- **उत्तर प्रदेश (एक दृष्टि में)** 3-9
- **अयोध्या रामजन्मभूमि मंदिर : प्राण प्रतिष्ठा समारोह** 10-14
- **उत्तर प्रदेश बजट, 2024-25** 15-22
- **उत्तर प्रदेश : अद्यतन तथ्य सार** 23-57
  कार्यक्रम/परियोजनाएं/अभियान/समझौते, सम्मेलन/आयोजन, चर्चित व्यक्तित्व, चर्चित स्थल, पुरस्कार/सम्मान, विविध
- **उत्तर प्रदेश में बहुआयामी निर्धनता की स्थिति** 58-61
- **उ.प्र. की प्रमुख योजनाएं/नीतियां** 62-79
- **जिलेवार विकास संकेतक, 2021** 80-81
- **उ.प्र.: अद्यतन आर्थिक गतिविधियां** 82-89
- **उत्तर प्रदेश : भौगोलिक स्थिति** 90-131
  भौगोलिक स्थिति
  जलवायु
  मिट्टियां
  नदियां
  वन एवं प्राकृतिक वनस्पतियां
  वन्य जीव
  कृषि
  पशुपालन
  खनिज संसाधन
  उद्योग
  जनजातियां
  परिवहन एवं संचार
  सिंचाई
  ताप विद्युत परियोजनाएं
  बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं
- **उत्तर प्रदेश का इतिहास** 131-153
  इतिहास, कला एवं संस्कृति
  साहित्य, साहित्यकार एवं पत्रकारिता
- **उत्तर प्रदेश का राजनीतिक, प्रशासनिक ढांचा** 154-175
  प्रमुख स्थल एवं संग्रहालय
  प्रमुख सांस्कृतिक संस्थान एवं नक्षत्रशालाएं
  जिले, क्षेत्रफल एवं जनसंख्या
- **उत्तर प्रदेश : महत्वपूर्ण तथ्य** 176-187
- **उत्तर प्रदेश जनगणना, 2011** 188-194
- **उत्तर प्रदेश : प्रमुख जिले एवं संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य** 195-200

उत्तर प्रदेश (एक दृष्टि में)

स्मरणीय तथ्य
(PTR - Points To Remember)

❒ **क्षेत्रफल** — 2,40,928 वर्ग किमी. (भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. का लगभग 7.33%)

❒ **क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में स्थान** — चौथा

❒ **राजधानी** — लखनऊ

❒ **सीमावर्ती प्रदेश** — उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड एवं केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली (8 राज्य एवं एक केंद्रशासित प्रदेश)

❒ **सर्वाधिक राज्यों को स्पर्श करने वाला जिला** — सोनभद्र (4 राज्य)

❒ **सीमावर्ती देश** — नेपाल

❒ **प्रमुख नदियां**—गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती, केन, बेतवा और घाघरा

❒ **देश में प्रथम स्थान** — गेहूं उत्पादन, मसूर उत्पादन, कुल खाद्यान्न उत्पादन, कुल सब्जी तथा कुल बागवानी उत्पादन (2021-22), आलू उत्पादन, आम एवं अमरूद उत्पादन, कुल पशु धन, गन्ना उत्पादन, दुग्ध उत्पादन एवं मांस उत्पादन (2022-23), चीनी उत्पादन (2023-24), रेलमार्ग, बैंक शाखाएं एवं पोस्ट ऑफिस आदि में

❒ **मौसम** — ग्रीष्म (मार्च से जून), वर्षा (मध्य जून से सितंबर), शीत (अक्टूबर से फरवरी)

❒ **जनसंख्या (2011 की जनगणना के अंतिम आंकड़ों के आधार पर)**

- सकल जनसंख्या— **199,812,341** (भारत की कुल जनसंख्या का 16.50%)
- महिलाएं — 95,331,831
- पुरुष — 104,480,510
- स्त्री-पुरुष अनुपात — 912 : 1000
- जनसंख्या घनत्व — 829 प्रति वर्ग किमी.
- जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर — 20.2%
- शहरी जनसंख्या — 44,495,063 (22.3%)
- ग्रामीण जनसंख्या — 155,317,278 (77.7%)
- तेंदुलकर समिति के अनुसार, गरीबी रेखा के नीचे निवासित जनसंख्या (2011-12) — 29.43%
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कार्य सहभागिता दर — 32.94%

❒ **जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (2016-20)**

- कुल व्यक्ति — 66.0
- पुरुष — 65.3
- महिला — 66.7

❒ **धर्म के अनुसार जनसंख्या** (2011)

हिंदू	—	159312654 (79.73%)
मुस्लिम	—	38483967 (19.26%)
सिख	—	643500 (0.32%)
ईसाई	—	356448 (0.18%)
जैन	—	213267 (0.11%)
बौद्ध	—	206285 (0.10%)
अन्य धर्म	—	13598 (0.01%)
जो किसी धर्म को नहीं मानते	—	582622 (0.29%)
कुल	**—**	**199812341 (100.00%)**

❒ **कुल साक्षरता दर (2011)** — 67.7%

- पुरुष साक्षरता दर — 77.3%
- स्त्री साक्षरता दर — 57.2%
- नगरीय साक्षरता दर (2011) — 75.1% (पुरुष — 80.4%, स्त्री — 69.2%)
- ग्रामीण साक्षरता दर (2011) — 65.5% (पुरुष — 76.3%, स्त्री — 53.7%)

❒ **प्रशासनिक इकाइयां**

- आर्थिक संभाग क्षेत्र — 4
- मंडलों की संख्या — 18
- जिलों की संख्या — 75
- नगरों एवं नगर संकुलनों (UAs) की संख्या (2011) — 915
- ग्राम पंचायतें (मार्चांत, 2023) — 57702
- न्याय पंचायतें — अब अस्तित्व में नहीं (2017 की अधिसूचना के अनुसार)
- तहसीलें (मार्चांत, 2023) — 351
- विकास खंड (मार्चांत, 2023) — 826

राजकीय चिह्न
मछलियां एवं तीर-धनुष

राजकीय पुष्प
पलाश (Butea monosperma)

राजकीय वृक्ष
अशोक/सीता अशोक (Saraca asoca)

राज्यपाल
श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मुख्यमंत्री
श्री योगी आदित्यनाथ

उ.प्र. दिवस - 24 जनवरी

राजकीय भाषा - हिंदी, उर्दू

राजकीय पशु
बारहसिंगा (Rucervus duvaucelii)

राजकीय पक्षी
सारस या क्रौंच (Grus antigone)

राजकीय मीन
चिताला (Chitala chitala)

राजकीय जलीय जीव
गांगेय डॉल्फिन (Platanista gangetica)

- नगर पंचायत (2023) – 546 (स्थानीय निकाय निदेशालय)
- नगरपालिका परिषद (2023) – 200 (स्थानीय निकाय निदेशालय)
- नगर निगम (2023) – 17 (स्थानीय निकाय निदेशालय)

नोट : उ.प्र. नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के तहत कुल 760 नगरीय निकायों (17 - नगर निगम, 199 - नगरपालिका परिषद एवं 544 - नगर पंचायत) हेतु चुनाव कराए गए।

- कुल राजस्व ग्राम (2011) – 106774
- आबाद ग्राम (2011) – 97814

❒ सहकारिता (2021-22)

- प्रा. कृषि ऋण सहकारी समितियां – 7479
- जिला केंद्रीय सहकारी बैंक – 50
- उ.प्र. कृषि एवं ग्राम विकास बैंक (शाखाएं) – 323

❒ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

- एलोपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय (1 जनवरी, 2022) – 5121
- आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालय एवं औषधालय (2021-22) – 2367
- होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं औषधालय (2021-22) – 1585

❒ विद्युत (2021-22)

- उत्पादन (राज्य क्षेत्र) – 2612 करोड़ कि.वा. घंटा
- प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग – 401 कि.वा. घंटा
- प्रति व्यक्ति विद्युत उत्पादन – 112 कि.वा. घंटा
- प्रदेश में विद्युत की कुल संस्थापित क्षमता (31 दिसंबर, 2023)[4] – 31521.35 मेगावॉट
  - इसमें, राज्य क्षेत्र के तहत – 6365.70 मेगावॉट
  - निजी क्षेत्र के तहत – 11742.51 मेगावॉट
  - केंद्रीय क्षेत्र के तहत – 13413.14 मेगावॉट
- उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद (स्थापना) – 1959
- उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (स्थापना) – 1999
- हरदुआगंज ताप विद्युत गृह – अलीगढ़ (1942)
- एकमात्र परमाणु विद्युत केंद्र – नरौरा, बुलंदशहर (1989)

❒ परिवहन एवं संचार

- कुल परिचालित मार्ग की लंबाई – 712 हजार किमी. (2019-20)
- डाकघर – 17890 (2021-22)
- प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway) की कुल लंबाई (31 दिसंबर, 2022) – 12270.23 किमी.
- राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई की दृष्टि से देश में स्थान – द्वितीय
- प्रदेश से होकर गुजरने वाले सबसे लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग का संख्यांक – 19 (पुराना नाम- राष्ट्रीय राजमार्ग-2)
- उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (स्थापना) – 1972
- गंगा एक्सप्रेस-वे (निर्माणाधीन) की कुल लंबाई – 593.947 किमी.
- बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई – 296.07 किमी.
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई – 340.824 किमी.
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई – 302.222 किमी.
- यमुना एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई (ग्रेटर नोएडा से आगरा तक) – 165.537 किमी.
- यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण – 2001
- उत्तर प्रदेश राज्य राजमार्ग प्राधिकरण – 2004
- प्रदेश में प्रथम रेलगाड़ी चलायी गई – 1859 (इलाहाबाद/प्रयागराज से कानपुर)
- सर्वप्रथम हवाई डाक सेवा – 1911 में (इलाहाबाद/प्रयागराज से नैनी)

❒ भाषानुसार जनसंख्या प्रतिशत (2011)

1. हिंदी – 94.08
2. उर्दू – 5.42
3. पंजाबी – 0.25
4. बंगाली – 0.12

❒ जनप्रतिनिधि

- उत्तर प्रदेश के लोक सभा सदस्य – 80
- उत्तर प्रदेश के राज्य सभा सदस्य – 31
- उत्तर प्रदेश के विधान सभा सदस्य – 403
- उत्तर प्रदेश के विधान परिषद सदस्य – 100

❒ कृषि

- कृषि जलवायु प्रदेश – 9
- किसान बही योजना – 1992
- चकबंदी योजना – 1954
- सबसे पुरानी नहर – पूर्वी यमुना नहर (1830)
- सबसे बड़ी नहर – शारदा नहर
- किसान मित्र योजना – 18 जून, 2001
- ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना – 2009
- किसान रथ योजना – 2010-11
- ऊर्जा शहर योजना – 2008
- प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता – 426 ग्राम प्रतिदिन (2022-23) (भारत में 459 ग्राम प्रतिदिन – 2022-23)
- राज्य दुग्ध परिषद – 1976
- गोकुल पुरस्कार योजना – दुग्ध उत्पादन
- प्रमुख कृषि निर्यात जोन जिले – आगरा, हाथरस, फर्रुखाबाद आदि (आलू); लखनऊ, उन्नाव, हरदोई आदि (आम एवं सब्जियां); सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, बागपत आदि (आम); बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत आदि (बासमती चावल)

❒ सिंचाई (2019-20)

- शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल –163.68 लाख हेक्टेयर
- शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल –144.16 लाख हेक्टेयर
- शुद्ध सिंचित क्षेत्र का शुद्ध बोए गए क्षेत्र से प्रतिशत – 88%

- फसल गहनता – 165.6%
- सकल सिंचित क्षेत्रफल – 229.94 लाख हेक्टेयर
- कुल सृजन योग्य सिंचन क्षमता (2021-22) – 370.32 लाख हेक्टेयर
- सकल सिंचन क्षमता का उपयोग (2021-22) – 302.22 लाख हेक्टेयर

विभिन्न साधनों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का प्रतिशत विवरण

सिंचाई के साधन	वर्ष 2019-20 में
• नलकूप	73.4%
• नहर	15.1%
• कुआं	8.6%
• तालाब, झील आदि	0.6%
• अन्य	2.3%

❒ वन एवं वन्य जीव[2]

- ISFR-2021 के अनुसार प्रदेश के अभिलेखों में कुल अभिलिखित वन क्षेत्र (2021) – 17,384 वर्ग किमी.
  इसमें, अभिलिखित वन क्षेत्र – 11,560 वर्ग किमी.
  संरक्षित वन क्षेत्र – 296 वर्ग किमी.
  अवर्गीकृत क्षेत्र – 5,528 वर्ग किमी.
- कुल अभिलिखित वन क्षेत्र का कुल भौगोलिक क्षेत्र में प्रतिशत – 7.22%
- उत्तर प्रदेश में कुल वृक्षावरण एवं वनावरण प्रतिशत – 9.23 प्रतिशत, भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष
- वनावरण अंतर्गत क्षेत्रफल – 14817.89 वर्ग किमी. (कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 6.15 प्रतिशत)
  - ⇒ अति सघन वन – 2626.61 वर्ग किमी. (1.09%)
  - ⇒ मध्यम सघन वन – 4029.37 वर्ग किमी.(1.67%)
  - ⇒ खुले वन – 8161.91 वर्ग किमी.(3.39%)
- कुल वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र – 31
- वन्य जीव विहार[3] – 11
- पक्षी विहार (चांद खम्हरिया कृष्ण मृग आरक्षित वन क्षेत्र सहित)[3] – 15
- राष्ट्रीय उद्यान[3] – 1 (दुधवा)
- टाइगर रिजर्व – 4 (दुधवा, पीलीभीत, रानीपुर, एवं अमनगढ़ बफर)
- एलीफैंट रिजर्व – 2
- ISFR-2021 के अनुसार, सर्वाधिक एवं सबसे कम वन प्रतिशत वाले दो जिले, क्रमशः – सोनभद्र एवं भदोही
- सबसे पुराना वन्यजीव विहार (1957) – चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (चंदौली)
- सबसे बड़ा वन्यजीव विहार – हस्तिनापुर वन्यजीव विहार (राज्य वन्यजीव बारहसिंगा अभयारण्य; 1159.16 वर्ग किमी.)
- सबसे छोटा वन्यजीव विहार – महावीर स्वामी वन्यजीव विहार (ललितपुर)
- सबसे बड़ा पक्षी विहार – लाख बहोसी पक्षी विहार (कन्नौज)
- सबसे छोटा पक्षी विहार – शेखा झील पक्षी विहार (अलीगढ़)
- पहला ग्राम वन – बेलहत्थी ग्राम (सोनभद्र)

❒ खनिज

- भू-तत्व एवं खनिज कर्म निदेशालय – 1955
- उ. प्र. राज्य खनिज विकास निगम – 23 मार्च, 1974
- प्रथम खनिज नीति – दिसंबर, 1998 (खनिज विकास को उद्योग का दर्जा)
- यूरेनियम – ललितपुर
- हीरा – बांदा

❒ उद्योग

- सबसे बड़ा उद्योग – हथकरघा उद्योग (कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार प्रदाता)
- संचालित विशेष आर्थिक क्षेत्र – 14 (31 दिसंबर, 2022 तक)
- प्रथम चीनी मिल – प्रतापपुर, देवरिया (1903)
- चीनी उत्पादन में देश में स्थान – द्वितीय
- उत्तर भारत का मानचेस्टर – कानपुर
- भारत स्टील रोलिंग मिल – मुजफ्फरनगर
- माडर्न कोच फैक्टरी – रायबरेली
- रेल पहिया कारखाना – रायबरेली
- बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (रेल इंजन कारखाना) – वाराणसी
- टाटा मोटर्स (ट्रक) प्लांट – लखनऊ
- स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड – लखनऊ
- इंडियन पॉली फाइबर्स लिमिटेड – बाराबंकी
- वैद्यनाथ आयुर्वेदिक औषधि फर्म – नैनी (प्रयागराज)
- नैनी एअरोस्पेस लिमिटेड (हिंदुस्तान केबल्स लि. के एचएएल द्वारा अधिग्रहण से गठित) – नैनी (प्रयागराज)
- त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड – नैनी (प्रयागराज)
- आयुध उपस्कर कारखाना – कानपुर
- कोरवा आयुध कारखाना – अमेठी
- ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र विनिर्माण केंद्र – लखनऊ
- अफीम कारखाना – गाजीपुर
- उर्वरक कारखाना (इफ्को) – आंवला (बरेली), फूलपुर (प्रयागराज)
- उर्वरक कारखाना (एचयूआरएल) – गोरखपुर
- कृत्रिम रबर कारखाना – मोदीनगर (गाजियाबाद), पर्तापुर (मेरठ)
- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड – गाजियाबाद
- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड – झांसी, वाराणसी व जगदीशपुर (अमेठी)

❒ औद्योगिक संस्थान

- उत्तर प्रदेश औद्योगिक सहकारी संघ (यूपिका) – कानपुर (1952)
- उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम – कानपुर (1954)
- उ.प्र. प्रादेशीय औद्योगिक व निवेश निगम (पिकप) – लखनऊ (1972)
- उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लि. – कानपुर (1958)
- उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लि. – लखनऊ (1966) (वर्ष 2008 में नया नाम- उत्तर प्रदेश हस्तशिल्प विकास और विपणन निगम लि.)
- उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन परिषद – लखनऊ (2015)
- उ. प्र. राज्य चर्म विकास एवं विपणन लि. – आगरा (1974)
- उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लि. – लखनऊ (1974)

❒ औद्योगिक विकास प्राधिकरण

- उ.प्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) – कानपुर (1961)
- नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (नोएडा), गौतमबुद्ध नगर
- गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (गीडा), गोरखपुर
- सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (सीडा), जौनपुर
- वृहद नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (ग्रेटर नोएडा), गौतमबुद्ध नगर
- लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (लीडा), लखनऊ
- भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (बीडा), भदोही
- यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (येइडा)
- उ.प्र. एक्सप्रेस-वेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (यूपीडा)
- बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण – (बीडा)

❒ पर्यटन

- पर्यटन विभाग – 1956
- पर्यटन निदेशालय – 1972
- उ.प्र. पर्यटन विकास निगम – 1974
- पर्यटन को उद्योग का दर्जा (प्रथम पर्यटन नीति) – 1998
- नई पर्यटन नीति – 2022
- हेरिटेज आर्क – 3 (आगरा, लखनऊ, वाराणसी)
- मैत्रेय परियोजना – बौद्ध स्थलों का विकास
- यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल स्मारक – ताजमहल (1983), आगरा किला (1983) एवं फतेहपुर सीकरी (1986)
- यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल धरोहरें – रामलीला (2008), कुंभ मेला (2017)
- मा. कांशीराम पर्यटन प्रबंध संस्थान – चिनहट (लखनऊ)

❒ सांस्कृतिक तत्व

- राज्य ललित कला अकादमी – लखनऊ (1962)
- उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी – लखनऊ (1969) (पूर्व नाम उत्तर प्रदेश नाट्य भारती –1963)
- भारतेन्दु नाट्य अकादमी – लखनऊ (1975)
- राष्ट्रीय कथक संस्थान – लखनऊ
- जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान – लखनऊ
- कला एवं शिल्प महाविद्यालय – लखनऊ (1911)
- भारतीय कला भवन – वाराणसी (1920)
- उत्तर प्रदेश चलचित्र निगम – 1975
- एकमात्र शास्त्रीय नृत्य – कथक
- भातखंडे संगीत संस्थान – 1966 (अब - भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय)

नोट-पूर्व नाम मैरिस कालेज ऑफ म्यूजिक था। इसकी स्थापना वर्ष 1926 में हुई थी। वर्ष 1966 में इसका नाम भातखंडे संगीत संस्थान रखा गया।

- मोतीलाल नेहरू बाल संग्रहालय – लखनऊ (1957)
- उ.प्र. राजकीय अभिलेखागार – लखनऊ [स्थापना 1949 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में 'सेंट्रल रिकॉर्ड ऑफिस' के नाम से; 1973 में लखनऊ स्थानांतरित]
- सर्वाधिक मेले – मथुरा (86)
- कुषाण एवं गुप्तयुगीन संस्कृति का एकमात्र संग्रहालय – मथुरा
- बटेश्वर मेला – आगरा
- सुलहकुल उत्सव आगरा
- चरकुला नृत्य – ब्रज क्षेत्र
- तबला एवं सितार का आविष्कार – अमीर खुसरो
- अयोध्या शोध संस्थान – अयोध्या (1986) (अब - अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान)
- उ.प्र. जैन विद्या शोध संस्थान – लखनऊ (1990)

❒ शिक्षा

- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद – 1981
- उ.प्र. बेसिक शिक्षा परिषद – 1972
- उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद – 1989
- डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फार हैंडीकैप्ड – कानपुर (1997)
- राजकीय जे.के. कैंसर संस्थान – कानपुर
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) – रायबरेली एवं गोरखपुर
- उ.प्र. आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय –सैफई (इटावा)
- उ.प्र. भाषा विभाग – 1958
- उ.प्र. संस्कृत संस्थान – 1976
- उ.प्र. हिंदी संस्थान – 1976
- उर्दू को द्वितीय राजभाषा घोषित किया गया – 1989

- डीम्ड विश्वविद्यालय – 7 (UGC सूची में 9)
- इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी (शिव नाडार यूनिवर्सिटी) – 1
- राज्य विश्वविद्यालय (कृषि विश्वविद्यालयों सहित) – 38 (UGC सूची में 34)
- केंद्रीय विश्वविद्यालय – 6
- निजी विश्वविद्यालय – 31 (UGC सूची में 32)
- कुल विश्वविद्यालय (डीम्ड सहित) – 83 (UGC सूची में 82)

उत्तर प्रदेश में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालयों के नाम

1. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
2. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
3. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
4. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
5. राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय, अमेठी
6. रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी

- पॉलीटेक्निक (राजकीय) – 168 (2021-22)
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (राजकीय) – 304 (2021-22)
- राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज – 12 (2021-22)
- सरकारी मेडिकल कॉलेज – 35 (2021-22)
- निजी मेडिकल कॉलेज – 30 (2021-22)

(इसमें नर्सिंग/ फार्मेसी/ आयुर्वेदिक/ होम्यो/ यूनानी कॉलेज सम्मिलित नहीं हैं)

प्रमुख निर्माणाधीन/प्रस्तावित राज्य विश्वविद्यालय

- महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय – कुशीनगर
- मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय – मिर्जापुर
- मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय – बलरामपुर
- उ.प्र. राज्य विश्वविद्यालय – मुरादाबाद
- मेजर ध्यानचंद क्रीड़ा विश्वविद्यालय – मेरठ
- उत्तर प्रदेश पुलिस और फोरेंसिक साइंस विश्वविद्यालय – लखनऊ
- महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय – गोरखपुर
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (16 फरवरी, 2024 को उद्घाटन संपन्न) – प्रयागराज

❐ **उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख शोध संस्थान**

- भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान – लखनऊ
- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान – लखनऊ
- केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान – लखनऊ
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (NSI) – कानपुर
- बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज – लखनऊ
- भारतीय पशु-चिकित्सा (Veterinary) अनुसंधान संस्थान – इज्जतनगर (बरेली)
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी – वाराणसी
- राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र – झांसी
- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान – लखनऊ
- केंद्रीय पक्षी (Avian) अनुसंधान संस्थान – इज्जतनगर (बरेली)
- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान – कानपुर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजीटेबल रिसर्च – वाराणसी
- हरीशचंद्र अनुसंधान संस्थान – प्रयागराज
- केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (पूर्व नाम : सेंट्रल मैंगो रिसर्च स्टेशन) – लखनऊ
- केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स : CIMAP) – लखनऊ
- न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान – लखनऊ
- अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन; भारतीय रेल) – लखनऊ
- नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज – लखनऊ
- भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान – झांसी
- इंडियन ग्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट – हापुड़
- राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला – लखनऊ
- केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG) – मथुरा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च – नोएडा
- गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान – प्रयागराज
- सेंट्रल पल्प एंड पेपर रिसर्च इंस्टीट्यूट – सहारनपुर
- भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (IICT) – भदोही
- राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (NIESBUD) – नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स (NIB) – नोएडा
- वी.वी. गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट – नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (निर्माणाधीन) – रायबरेली

❐ **पार्क, सिटी एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (प्रस्तावित/क्रियाशील)**

- डिफेंस पार्क – कानपुर, झांसी, आगरा एवं लखनऊ
- एयरोस्पेस पार्क – लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ एवं गौतमबुद्ध नगर
- रक्षा औद्योगिक गलियारा नोड्स – अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर तथा लखनऊ
- क्षेत्रीय साइंस सिटी – लखनऊ
- नॉलेज पार्क – ग्रेटर नोएडा
- डाटा सेंटर पार्क – ग्रेटर नोएडा
- ट्रोनिका सिटी – गाजियाबाद
- नवीन एकीकृत कानपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (निकिडा) सिटी – कानपुर व उन्नाव के बीच
- ट्रांस गंगा सिटी – उन्नाव
- सरस्वती हाई-टेक सिटी – प्रयागराज
- ट्रांस दिल्ली सिग्नेचर सिटी – गाजियाबाद
- दिबियापुर प्लास्टिक पार्क – औरैया
- प्लास्टिक सिटी – दिबियापुर, औरैया

- लेदर पार्क – आगरा
- मेगा लेदर पार्क – कानपुर
- निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क – ग्रेटर नोएडा, (गौतमबुद्ध नगर) एवं आगरा
- मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान पार्क ('पीएम मित्र' योजना के तहत) – लखनऊ एवं हरदोई के सम्मिलित क्षेत्र में
- टेक्सटाइल एवं होजरी पार्क – कानपुर
- साइंस पार्क – संडीला (हरदोई) एवं लखनऊ
- लेदर टेक्नोलॉजी पार्क – बंथर (उन्नाव)
- एपैरेल (परिधान) पार्क – ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद एवं नोएडा
- मेगा फूड पार्क – बहेड़ी (बरेली), बेदौली (मिर्जापुर), भदावल (मथुरा)
- मसाला पार्क – रायबरेली
- पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क – ग्रेटर नोएडा
- फूड/एग्रो पार्क – बाराबंकी, वाराणसी, गोरखपुर, सहारनपुर
- साइबर सिटी – कानपुर
- सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया-STPI (मुख्य केंद्र/निदेशालय) – नोएडा
- अन्य स्थापित STPI केंद्र (STPI - नोएडा के नियंत्रणाधीन) – कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, मेरठ
- स्वीकृत नए STPI केंद्र – आगरा, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली
- मल्टीपल (लॉयन एवं अन्य) सफारी पार्क – इटावा
- नाइट सफारी पार्क – ग्रेटर नोएडा एवं कुकरैल (लखनऊ)
- व्हाइट टाइगर सफारी – प्रयागराज
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास पार्क – कानपुर
- जैव प्रौद्योगिकी पार्क – लखनऊ
- इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी – नोएडा
- थीम पार्क (पर्यटन संबंधी) – आगरा
- मेडी सिटी – चकगंजरिया, लखनऊ
- मेडटेक उद्यमिता केंद्र (MedTec CoE) – एसजीपीजीआई, लखनऊ
- वेव सिटी – गाजियाबाद
- टॉय सिटी – ग्रेटर नोएडा
- फिल्म सिटी – ग्रेटर नोएडा
- बुद्धा थीम पार्क – सारनाथ (वाराणसी)
- मॉडल सोलर सिटी – अयोध्या, वाराणसी
- इंटरनेशनल परफ्यूम पार्क – कन्नौज
- सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हनी – सहारनपुर
- फार्मा पार्क (बल्क ड्रग पार्क) – ललितपुर
- इंडो-इस्राइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट – कौशांबी
- इंडो-इस्राइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल्स – चंदौली
- प्लास्टिक एवं खिलौना पार्क – गोरखपुर
- टेलीकॉम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस – सहारनपुर
- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) सिटी – लखनऊ
- मैग्नेट सिटी – लखनऊ
- एयरो सिटी – लखनऊ

उत्तर प्रदेश तथा भारत के तुलनात्मक संकेतक		
मद	**उ. प्र.**	**भारत**
जनगणना (वर्ष 2011) जनसंख्या वृद्धि (वर्ष 2001-2011)	20.23%	17.7%
जन घनत्व	829	382
नगरीकरण	22.3%	31.2%
लिंगानुपात	912	943
साक्षरता दर	**उ. प्र.**	**भारत**
(क) कुल		
(1) व्यक्ति	67.7%	73.0%
(2) पुरुष	77.3%	80.9%
(3) स्त्री	57.2%	64.6%
(ख) ग्रामीण		
(1) व्यक्ति	65.5%	67.8%
(2) पुरुष	76.3%	77.2%
(3) स्त्री	53.7%	57.9%
(ग) नगरीय		
(1) व्यक्ति	75.1%	84.1%
(2) पुरुष	80.4%	88.8%
(3) स्त्री	69.2%	79.1%
कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति की जनसंख्या	20.7%	16.6%
कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या	0.6%	8.61%
जन्म दर (वर्ष 2020)	**उ. प्र. (प्रति हजार)**	**भारत (प्रति हजार)**
(क) कुल	25.1	19.5
(ख) ग्रामीण	26.1	21.1
(ग) नगरीय	22.1	16.1
मृत्यु दर (वर्ष 2020)	**उ. प्र. (प्रति हजार)**	**भारत (प्रति हजार)**
(क) कुल	6.5	6.0
(ख) ग्रामीण	6.8	6.4
(ग) नगरीय	5.4	5.1
शिशु मृत्यु दर (वर्ष 2020)	**उ. प्र. (प्रति हजार जीवित जन्म पर)**	**भारत (प्रति हजार जीवित जन्म पर)**
(क) कुल	38	28
(ख) ग्रामीण	40	31
(ग) नगरीय	28	19

भारत में उ.प्र. का उल्लेखनीय स्थान

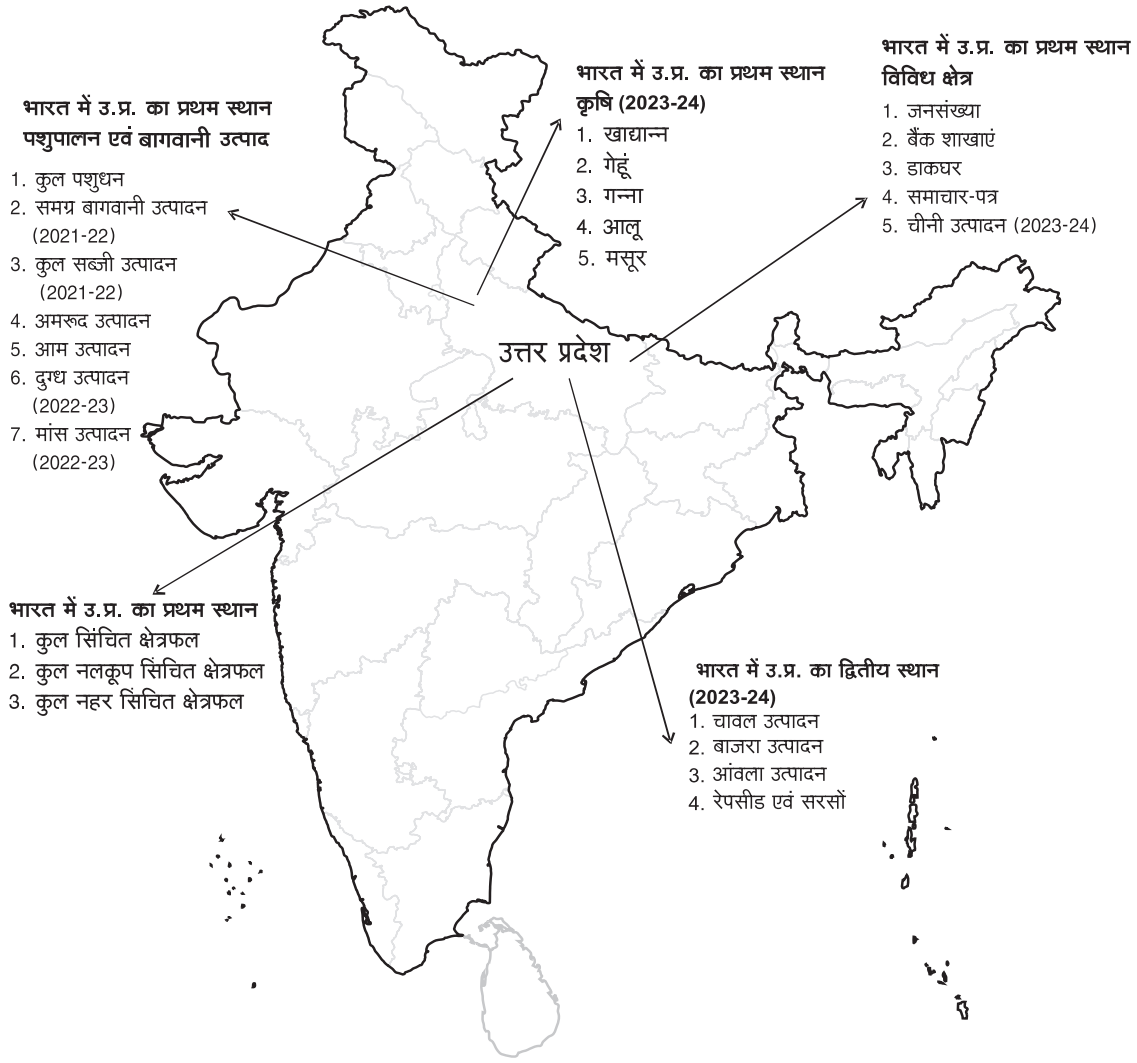

❒ **अनुसूचित जनजातियां**

- 2011 की जनगणनानुसार प्रदेश की कुल जनसंख्या में
  अनुसूचित जाति – 41357608
  अनुसूचित जनजाति – 1134273
- कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत – 0.6%
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति वाला जिला – सोनभद्र
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति प्रतिशतता वाला जिला– सोनभद्र
- सबसे कम अनुसूचित जनजाति वाला जिला – बागपत
- भारत सरकार द्वारा प्रदेश की 10 नई जनजातियों को सूचीबद्ध किया गया – 2003 में

❒ **प्रमुख हस्तशिल्प** — चिकन का काम, ज़री का काम, लकड़ी के खिलौने तथा फर्नीचर, मिट्टी के खिलौने, कालीन, सिल्क, पीतल का काम आदि।

❒ **प्रमुख लोकगीत** — बिरहा, चैती, कजरी, रसिया, फाग, आल्हा, पूरनभगत, भर्तृहरि।

❒ **प्रमुख लोक नृत्य** — कठघोड़ा, चरकुला, करमा, पांडव, पाईडंडा, धोबिया, राई, थारू और शैरा।

टिप्पणियां

1. *कृषि एवं खाद्यान्न के आंकड़ों का स्रोत 'आर्थिक समीक्षा 2022-23' एवं 'एग्रीकल्चरल स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लांस 2022' है तथा शेष आंकड़ों का स्रोत आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, उत्तर प्रदेश एवं अन्य प्रामाणिक स्थान हैं।*
2. *यह भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग, देहरादून द्वारा जारी ''वन स्थिति रिपोर्ट 2021'' के अनुसार है। यह आंकड़ा उपग्रह आधारित चित्रण द्वारा वनों के वास्तविक क्षेत्रफल का होता है।*
3. *ये आंकड़े उ.प्र. सरकार की 'Forest Statistics Book 2021' के अनुसार हैं।*
4. *ये आंकड़े नेशनल पॉवर पोर्टल की संस्थापित क्षमता रिपोर्ट के अनुसार हैं।*

अयोध्या रामजन्मभूमि मंदिर : प्राण प्रतिष्ठा समारोह

❑ भूमिका

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी घटना है। रामजन्मभूमि के पवित्र स्थल पर निर्मित, इस मंदिर का अत्यधिक सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। इस मंदिर के निर्माण की यात्रा राष्ट्र के जटिल सामाजिक, राजनीतिक परिदृश्य को दर्शाती है। अयोध्या विवाद की जड़ें इतिहास की गहराइयों में व्याप्त हैं, परंतु भूमि को लेकर हुए कानूनी और राजनीतिक संघर्ष का समापन वर्ष 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के साथ हुआ, जिसने भव्य राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

वर्ष 2020 में शिलान्यास के साथ क्रमिक रूप से इस विराट और दिव्य मंदिर ने आकार लेना प्रारंभ किया तथा जनवरी, 2024 में अत्यंत शुभ मुहूर्त में यहां भगवान राम की अलौकिक मूर्ति की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस संदर्भ में महत्वपूर्ण घटनाओं का विवरण यहां अग्रलिखित शीर्षकों के अंतर्गत बिंदुवार प्रस्तुत किया जा रहा है।

❑ प्राण प्रतिष्ठा समारोह

➡ 22 जनवरी, 2024 (सोमवार; पौष माह की द्वादशी) को 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' द्वारा अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभु श्री राम के बालस्वरूप (रामलला) के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

➡ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा मेष लग्न, वृश्चिक नवांश में अभिजीत मुहूर्त में की गई।

➲ 84 सेकंड का यह अति शुभ मुहूर्त मृगशिरा नक्षत्र, इंद्र योग, अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग आदि के साथ सहलग्न था।

➲ ज्ञातव्य है कि प्राण प्रतिष्ठा हेतु यह अति शुभ मुहूर्त **काशी के सांग्वेद विद्यालय** के **प्राचार्य पं. गणेश्वर शास्त्री द्रविड़** द्वारा निकाला गया था।

➡ अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान गर्भगृह में प्रमुख पुरोहितों के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी शामिल हुईं।

➲ इस अवसर पर देश भर से विभिन्न क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले गणमान्य व्यक्तियों, संतों, धर्माचार्यों एवं जनजातीय समूहों के प्रतिनिधियों को भी अयोध्या निमंत्रित किया गया था।

❑ जटायु प्रतिमा का अनावरण

➡ प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर परिसर में कुबेर टीला का दौरा किया, वहां भगवान शिव की पूजा अर्चना की।

➡ इसके बाद प्रधानमंत्री द्वारा अयोध्या राम मंदिर परिसर में 'जटायु' की एक प्रतिमा का अनावरण किया गया।

➡ इसी अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा अयोध्या राम मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान व्यक्त किया गया।

❑ मंगल ध्वनि

➡ देश भर के 50 पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भक्तिपूर्ण मंगल ध्वनि का हिस्सा थे, जो अभिषेक के दौरान गुंजायमान रहे।

➡ अयोध्या के प्रसिद्ध कवि **यतीं** द्वारा संचालित इस भव्य 'मंगल ध्वनि' की प्रस्तुति को **संगीत नाटक अकादमी (नई दिल्ली)** के सहयोग से आयोजित किया गया।

मंगल ध्वनि में प्रयुक्त प्रमुख वाद्य यंत्र और उनके संबंधित राज्य

➡ पखावज़, बांसुरी और ढोलक - उत्तर प्रदेश
➡ वीणा - कर्नाटक
➡ सुंदरी - महाराष्ट्र
➡ अलगोजा - पंजाब
➡ मर्दाला - ओडिशा
➡ संतूर - मध्य प्रदेश
➡ पुंग - मणिपुर
➡ नगाड़ा और काली - असम
➡ तंबूरा - छत्तीसगढ़
➡ शहनाई - दिल्ली
➡ रावणहत्था - राजस्थान
➡ श्रीखोल और सरोद - पश्चिम बंगाल
➡ घटम - आंध्र प्रदेश
➡ सितार - झारखंड
➡ संतर - गुजरात
➡ पखावज़ - बिहार
➡ हुड़का - उत्तराखंड
➡ नादस्वरम, मृदंगम और तविल - तमिलनाडु

❑ अयोध्या राम मंदिर के विषय में

➡ अयोध्या में नागर शैली में वृहद और भव्य तीन-मंजिला श्री राम मंदिर निर्माणाधीन है, जिसके भू-तल का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा जून, 2023 में की गई थी।

➡ मुख्य मंदिर 2.77 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है, जबकि कुल मंदिर परिसर 70 एकड़ क्षेत्र में विस्तृत है।

➡ मंदिर का निर्माण रामजन्मभूमि स्थल पर किया गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यही स्थल भगवान श्रीराम का जन्म स्थान माना जाता है।

➡ 9 नवंबर, 2019 को आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद मंदिर की आधारशिला 5 अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई थी।

अयोध्या राम मंदिर की मुख्य विशेषताएं	
वास्तुकला शैली	मंदिर का निर्माण परंपरागत नागर शैली में किया गया है।
मुख्य वास्तुकार	चंद्रकांतभाई सोमपुरा, निखिल सोमपुरा, आशीष सोमपुरा
डिजाइन सलाहकार	IIT गुवाहाटी, IIT चेन्नई, IIT बॉम्बे, SVNIT सूरत, CBRI रुड़की, NGRI हैदराबाद, IHBT पालमपुर, IIA बंगलुरू, NIRM बंगलुरू आदि
निर्माण कंपनी	लार्सन एंड टुब्रो (L&T)
परियोजना प्रबंधन कंपनी	टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड (TCEL)
मंदिर का आयाम	लंबाई (पूर्व से पश्चिम) 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई (शिखर सहित) 161 फीट
मंदिर क्षेत्र	2.77 एकड़ (कुल निर्मित होने वाला क्षेत्र - 57,400 वर्ग फीट)
कुल क्षेत्र (मंदिर परिसर)	लगभग 70 एकड़ (70% हरित क्षेत्र)
वास्तुगत विशेषताएं	तीन-मंजिला मुख्य मंदिर, प्रत्येक मंजिल 20 फीट ऊंची, परिसर में कुल 392 स्तंभ, 44 काष्ठ दरवाजे और 12 प्रवेश द्वार
परकोटा (चारदीवारी)	अयोध्या का राम मंदिर 'मिश्रित' विशेषता प्रकट करता है, जैसे- 732 मीटर लंबा एवं 14 फीट चौड़ा परकोटा, जो पारंपरिक नागर शैली से हटकर द्रविड़ शैली से प्रभावित है।
मंडप	पांच मंडप यथा- नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप व कीर्तन मंडप
अन्य मुख्य आकर्षण	परिसर के चारों कोनों पर चार मंदिरों का निर्माण किया गया है, जो सूर्य देव, देवी भगवती, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित हैं। मंदिर की उत्तरी भुजा पर मां अन्नपूर्णा का मंदिर है और दक्षिणी भुजा पर हनुमान जी का मंदिर निर्मित किया गया है।

❑ मंदिर निर्माण में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री

➡ अयोध्या राम मंदिर के निर्माण में स्टील या लोहे के उपयोग से परहेज किया गया है।

➡ मुख्य मंदिर की संरचना में राजस्थान के भरतपुर जिले से प्राप्त **बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर** का प्रयोग है। चबूतरों के निर्माण में **ग्रेनाइट पत्थरों** का उपयोग किया गया है।

➡ **सफेद मकराना संगमरमर तथा रंगीन संगमरमर** का उपयोग भीतर के फर्श और जड़ाई कार्य के लिए किया गया है। सफेद संगमरमर राजस्थान से तथा रंगीन संगमरमर मध्य प्रदेश के मंडला जिले से मंगाया गया।

➡ महाराष्ट्र के बलारशाह और अल्लापल्ली वन क्षेत्रों से आई सागौन की लकड़ी का उपयोग मंदिर के 44 काष्ठ दरवाजों को बनाने में किया गया। इनमें से 14 दरवाजों पर सोने की परत चढ़ाने का काम किया गया।

➡ भूकंपरोधी संरचना वाले इस मंदिर का मुख्य भाग राजस्थान के मकराना संगमरमर की श्वेत शोभा से सुसज्जित है। इस मंदिर में देवताओं की उत्कृष्ट नक्काशी कर्नाटक के चर्मोथी बलुआ पत्थर से की गई है, जबकि प्रवेश द्वार की भव्य आकृतियों में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर का प्रयोग किया गया है।

➡ निर्माण में विशेष ईंटों को शामिल किया गया है, जिन्हें 'रामशिला' के नाम से जाना जाता है, जिन पर 'श्रीराम' उल्लेखित है। माना जाता है कि ये ईंटें राम सेतु के निर्माण में इस्तेमाल किए गए पत्थरों के साथ एक प्रतीकात्मक समानता दर्शाती हैं, जो मंदिर के आधुनिक शिल्प कौशल को प्राचीन प्रतीकता से जोड़ती है।

➡ मंदिर निर्माण की अन्य प्रमुख सामग्री में नेपाल की गंडकी नदी में पाई जाने वाली शालिग्राम शिलाएं, ताम्र प्लेटें, स्वर्ण और अष्टधातु आदि शामिल हैं।

❑ मंदिर वास्तुकला

➡ अयोध्या में रामजन्मभूमि मंदिर का निर्माण **पारंपरिक नागर वास्तुकला शैली** में किया गया है। मंदिर की मूल डिजाइन अहमदाबाद के सोमपुरा परिवार द्वारा वर्ष 1988 में बनाया गया।

➡ वर्ष 2020 में पुराने डिजाइन को वास्तुशास्त्र और शिल्पशास्त्रों के अनुसार पुनः नया रूप प्रदान किया गया।

➡ मंदिर के मुख्य वास्तुकार चंद्रकांतभाई सोमपुरा हैं तथा उनका सहयोग उनके दो पुत्रों निखिल सोमपुरा तथा आशीष सोमपुरा द्वारा किया गया।

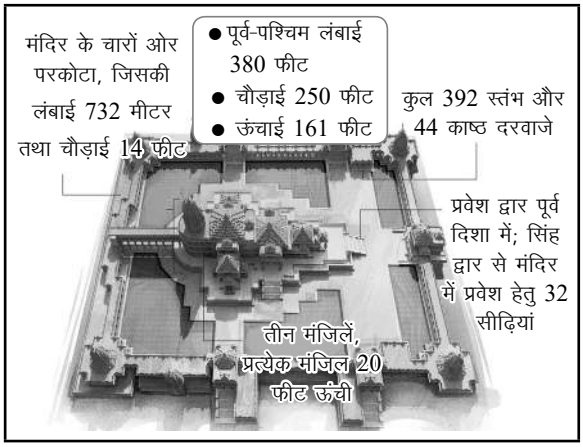

➡ मंदिर कुल तीन मंजिल का बनाया जाएगा, जो भगवान राम के जीवन के विभिन्न चरणों को प्रदर्शित करेगा।

➡ मंदिर के भू-तल पर निर्मित गर्भगृह में रामलला के पांच वर्षीय बालस्वरूप की प्रतिमा स्थापित की गई है।

➡ प्रथम मंजिल पर राम दरबार बनाया जाएगा, यहां पर भगवान राम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ विराजेंगे तथा उनके चरणों में हनुमान जी की एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

➡ मंदिर में पांच मंडप - नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप तथा कीर्तन मंडप शामिल हैं।

➡ मंदिर एक आयताकार परिसर की दीवार से घिरा हुआ है, जिसे 'परकोटा' कहा जाता है, जिसकी लंबाई 732 मीटर तथा चौड़ाई 14 फीट है।

➡ राम मंदिर परिसर का निर्माण पंचायतन शैली के मंदिरों की भांति किया गया है। परिसर के चारों कोनों में सूर्य देव, भगवती देवी, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित अलग-अलग मंदिरों का निर्माण किया गया है।

➡ मंदिर के निकट ही ऐतिहासिक सीता कूप अवस्थित है। मंदिर परिसर में ही दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में कुबेर टीला स्थित है, जहां पर प्रधानमंत्री द्वारा 'जटायु' की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

❑ मंदिर निर्माण की नागर शैली

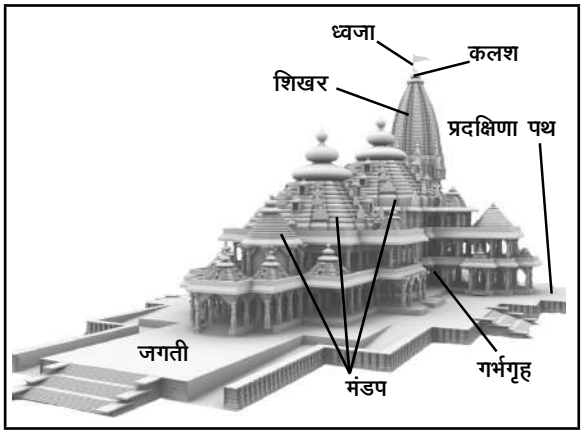

➡ पांचवीं शताब्दी ई. के आस-पास क्रमिक रूप से उत्तर भारत में मंदिर वास्तुकला की नागर शैली का विकास तीव्रता से हुआ।

➡ नागर शैली में निर्मित मंदिर एक ऊंचे चबूतरे पर बनाए जाते हैं, जिसे **'जगती'** कहा जाता है।

➡ मंदिर के मुख्यभाग में **'गर्भगृह'** होता है, जहां प्रमुख देवता की प्रतिमा स्थापित की जाती है। यह मंदिर का सबसे पवित्र स्थान होता है।

➡ गर्भगृह के सबसे ऊपर **'शिखर'** जैसी आकृति होती है, जो नागर शैली के मंदिरों की विशिष्टता होती है। शिखर के ऊपरी हिस्से पर **'कलश'** तथा **'ध्वजा'** विद्यमान रहती है।

➡ गर्भगृह के चारों ओर एक विशिष्ट **'प्रदक्षिणा पथ'** होता है, जिसका प्रयोग भक्तगण परिक्रमा के लिए करते हैं।

➡ गर्भगृह के सामने **'मंडप'** मौजूद होता है, जो शिखर से सुशोभित होता है, परंतु सबसे ऊंचा शिखर गर्भगृह के ऊपर ही होता है। मंडपों की संख्या एक या एक से अधिक हो सकती है।

➲ राम मंदिर में मंडपों की **संख्या 5** है।

❑ रामलला की मूर्ति

➡ गर्भगृह में स्थापित करने हेतु मूर्ति निर्माण कार्य श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा तीन मूर्तिकारों को सौंपा गया, जिसमें मूर्तिकार अरुण योगीराज, मूर्तिकार सत्यनारायण पांडे तथा मूर्तिकार गणेश भट्ट शामिल थे।

➡ तीनों मूर्तिकारों द्वारा अलग-अलग 5 वर्षीय बालस्वरूप श्री राम की मूर्ति का निर्माण किया गया, जिसमें **सत्यनारायण पांडेय** द्वारा राजस्थान के मकराना संगमरमर से, जबकि **अरुण योगीराज** तथा **गणेश भट्ट** द्वारा कर्नाटक के मैसुरू की **कृष्ण शिला** द्वारा मूर्ति निर्माण किया गया।

➡ चयन प्रक्रिया के माध्यम से **अरुण योगीराज** द्वारा बनाई गई 51 इंच ऊंची तथा लगभग 200 किलो वजन वाली 5 वर्षीय बालस्वरूप श्री रामलला की मूर्ति का चयन गर्भगृह में स्थापित करने हेतु किया गया।

➡ इस श्यामल मूर्ति का दाहिना हाथ आशीर्वाद देते हुए दर्शाया गया है जिसे तीर पकड़ने हेतु डिजाइन किया गया है, जबकि बाएं हाथ में धनुष धारण किए हुए दर्शाया गया है।

➡ रामलला की मूर्ति के दोनों तरफ भगवान विष्णु के अवतार उकेरे गए हैं।

➲ विष्णु के दस अवतारों - मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध तथा कल्कि अवतार को उत्कीर्ण किया गया है।

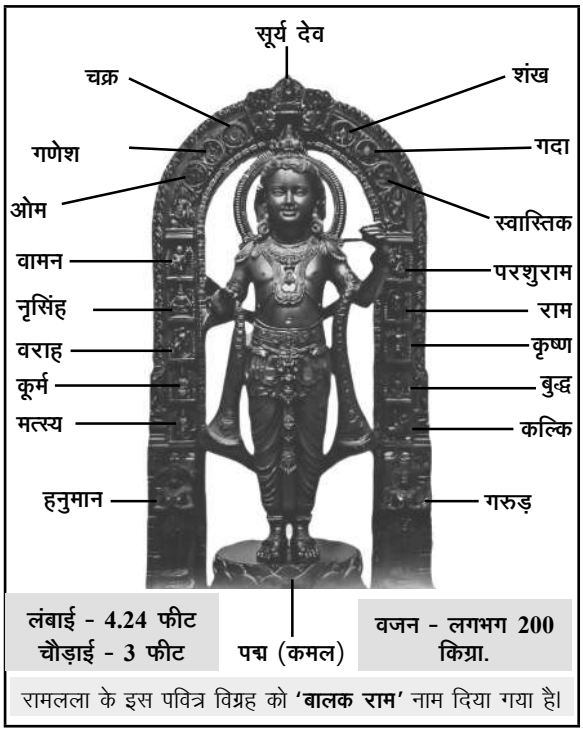

रामलला के इस पवित्र विग्रह को **'बालक राम'** नाम दिया गया है।

➡ रामलला को पद्म (कमल) पर खड़े हुए दर्शाया गया है। उनके दाहिने चरण के पास भगवान हनुमान तथा बाएं चरण के पास भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को दर्शाया गया है।

➡ रामलला के सिर के आस-पास ओम, स्वास्तिक, चक्र, शंख तथा गदा उत्कीर्ण हैं।

➡ रामलला के सिर के ठीक ऊपर भगवान सूर्य देव की आकृति उत्कीर्ण है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, प्रभु राम का संबंध 'सूर्यवंश' से बताया गया है।

➡ रामलला के इस अद्भुत विग्रह को **'बालक राम'** नाम दिया गया है।

❑ अयोध्या विवाद की पृष्ठभूमि

➡ पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, राम मंदिर का स्थान वही स्थान है, जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। इसी स्थान पर मुगलों द्वारा एक मस्जिद का निर्माण कराया गया, जिसे 'बाबरी मस्जिद' के नाम से जाना गया। विवाद इस बात पर रहा कि बाबरी मस्जिद 16वीं सदी में राम मंदिर को तोड़कर या संशोधित करके उसके बाद बनाई गई।

➡ मूल विवाद मंदिर-मस्जिद के बीच 2.77 एकड़ जमीन को लेकर था। दूसरी तरफ मुस्लिम पक्ष का कहना था, कि मस्जिद का निर्माण 1528 ई. में मीर बाकी द्वारा कराया गया और हिंदुओं ने वर्ष 1949 में मस्जिद के अंदर भगवान राम की मूर्ति रखकर इस पर नियंत्रण करने का प्रयास किया।

➡ 1980 के दशक में विश्व हिंदू परिषद द्वारा हिंदुओं के लिए वह स्थान पुनः प्राप्त करने तथा उस स्थान पर रामलला को समर्पित एक मंदिर बनाने के लिए आंदोलन चलाया गया।

➡ 6 दिसंबर, 1992 को हिंदू कारसेवकों की एक भीड़ ने अयोध्या शहर में 16वीं सदी के विवादित ढांचे को ध्वस्त कर दिया।

➡ पी.वी. नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा इस घटना की जांच के लिए **'लिब्रहान आयोग'** का गठन किया गया।

लिब्रहान आयोग

➡ **16 दिसंबर, 1992** को न्यायमूर्ति **मनमोहन सिंह लिब्रहान** की अध्यक्षता में गठित।

➡ आयोग को **तीन माह में रिपोर्ट सौंपनी** थी, परंतु 48 बार अवधि विस्तार किया गया जिस कारण यह **स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे लंबा जांच आयोग** बन गया।

➡ वर्ष 2010 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादित भूमि से संबंधित मुकदमों पर अपना फैसला सुनाया।

➲ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच ने फैसला सुनाया कि विवादित भूमि को तीन बराबर हिस्से में उ.प्र. सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा तथा हिंदू महासभा के बीच विभाजित किया जाना चाहिए।

➡ वर्ष 2011 में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देते हुए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस फैसले पर रोक लगा दी गई।

➡ 9 नवंबर, 2019 को अंतिम फैसला सुनाया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर बनाने के लिए विवादित भूमि को एक ट्रस्ट को सौंपने का आदेश दिया।

➲ साथ ही न्यायालय द्वारा सरकार को मस्जिद बनाने के उद्देश्य से **उ.प्र. सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड** को अयोध्या में ही **2 हेक्टेयर (5 एकड़)** भूमि आवंटित करने का आदेश दिया गया। ज्ञातव्य है कि यह भूमि अयोध्या के धन्नीपुर ग्राम में आवंटित की गई है।

➡ 5 फरवरी, 2020 को सरकार द्वारा **'श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट'** के गठन की घोषणा की गई।

➲ राम मंदिर का निर्माण इसी ट्रस्ट की देख-रेख में किया जा रहा है।

श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

➡ **कुल 15 सदस्य।**

➡ **महंत नृत्य गोपाल दास** ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

➡ चंपत राय इस ट्रस्ट के महासचिव तथा नृपेंद्र मिश्रा निर्माण समिति के अध्यक्ष, गोविंद गिरि जी महाराज कोषाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता के. परासरन ट्रस्ट के मुख्य प्रवक्ता हैं।

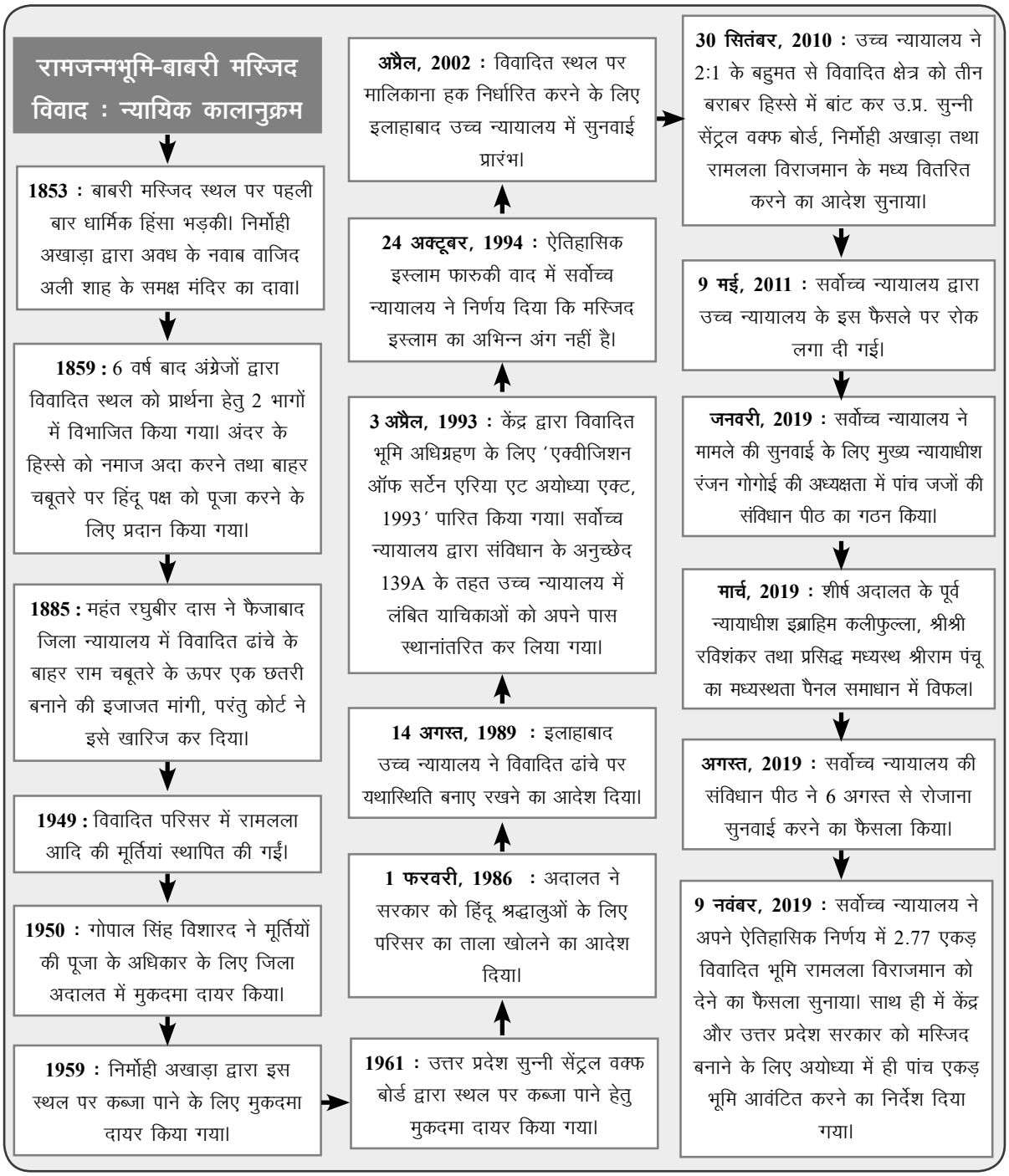

❑ राम मंदिर निर्माण का महत्व

➡ **धार्मिक महत्व :** राम मंदिर निर्माण के बाद दशकों से इसे लेकर चला आ रहा हिंदू-मुस्लिम के बीच धार्मिक संघर्ष समाप्त हो गया। इससे देश में धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा।

➡ **सांस्कृतिक महत्व :** अयोध्या और राम मंदिर को देश में ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है, इस प्रकार मंदिर निर्माण भारतीय संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

➡ **ढांचागत महत्व :** राम मंदिर निर्माण प्रक्रिया शुरू होने से अवसंरचना, बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं आदि से क्षेत्रीय विकास तीव्रता से होगा। सड़क निर्माण, रेल कनेक्टिविटी विस्तार तथा हवाई अड्डे (महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) के निर्माण के बाद क्षेत्र में तेज औद्योगिक विकास की संभावना प्रबल हुई है।

➡ **आर्थिक महत्व :** राम मंदिर हिंदुओं के प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में अयोध्या क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा, जिससे नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

उत्तर प्रदेश बजट, 2024-25

➡ 5 फरवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 736437.71 करोड़ रुपये का राज्य बजट अनुमान प्रस्तुत किया गया। यह बजट अनुमान सरकार के व्यय को संदर्भित करता है, जिसका अर्थ यह हुआ कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार द्वारा **कुल 736437.71 करोड़ रुपये का व्यय** किया जाएगा। इस कुल व्यय में **532655.33 करोड़ रुपये राजस्व लेखे का व्यय** तथा **203782.38 करोड़ रुपये पूंजी लेखे का व्यय** शामिल है।

➡ राज्य बजट 2024-25 में **24863.57 करोड़ रुपये की नई योजनाएं** सम्मिलित की गई हैं।

➡ विगत कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार का बढ़ता बजट आकार (लगभग करोड़ रुपये में) इस प्रकार है :-

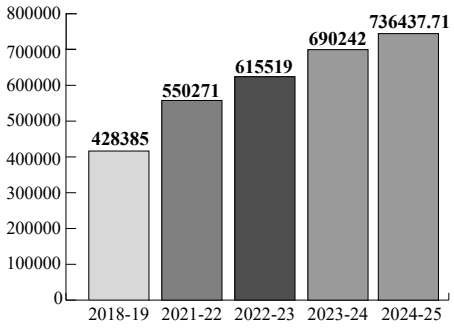

➡ वर्ष 2022-23 के वास्तविक आंकड़े, वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान एवं वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक अनुमानों के तुलनात्मक विवरण निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित हैं -

राज्य बजट 2024-25 का सार

(करोड़ रु. में)

क्र.		2022-23 वास्तविक आंकड़े	2023-24 बजट अनुमान	2023-24 संशोधित अनुमान	2024-25 बजट अनुमान
1.	**राजस्व लेखे की प्राप्तियां**	**417241.50**	**570865.66**	**525217.84**	**606802.40**
2.	कर राजस्व *	343832.45	445871.59	410866.44	488902.84
3.	करेत्तर राजस्व @	73409.05	124994.07	114351.40	117899.56
4.	**पूंजी लेखे की प्राप्तियां**	**68184.26**	**112427.08**	**102427.08**	**114531.42**
5.	ऋणों की वसूली	1337.32	3312.18	3312.18	3298.63
6.	उधार और अन्य देयताएं	66846.94	109114.90	99114.90	111232.79
	(जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम)	0.00	10000.00	0.00	10000.00
7.	**कुल प्राप्तियां (1 + 4)**	**485425.76**	**683292.74**	**627644.92**	**721333.82**
8.	राजस्व लेखे पर व्यय जिसमें	379978.06	502354.01	454771.32	532655.33
9.	ब्याज अदायगियां	43007.98	52755.56	49316.64	53711.99
10.	पूंजी लेखे पर व्यय जिसमें	125927.49	187888.42	177591.05	203782.38
11.	पूंजीगत परिव्यय	93028.39	147492.29	146177.12	154747.47
12.	ऋण की अदायगियां	22690.46	31181.43	21317.81	39806.17
	(जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त अर्थोपाय अग्रिम का प्रतिदान सहित)	0.00	10000.00	0.00	10000.00
13.	**कुल व्यय (8 + 10)**	**505905.55**	**690242.43**	**632362.37**	**736437.71**
14.	**राजस्व बचत (1 – 8)**	**37263.44**	**68511.65**	**70446.52**	**74147.07**
15.	**राजकोषीय घाटा**	**64636.27**	**84883.16**	**82514.54**	**86530.51**
16.	**प्रारंभिक घाटा (15 – 9)**	**21628.29**	**32127.60**	**33197.90**	**32818.52**

*इसमें राज्य का स्वयं का कर राजस्व एवं केंद्रीय करों में राज्यांश सम्मिलित है।
@इसमें राज्य का स्वयं का करेत्तर राजस्व एवं केंद्र से प्राप्त अनुदान सम्मिलित है।

प्रमुख आर्थिक बिंदु (राज्य बजट 2024-25)	
बजट का आकार	**7.36 लाख करोड़ रु.**
	2023-24 के सापेक्ष वृद्धि 6.7%
व्यय	
राजस्व व्यय	5.33 लाख करोड़ रु.
पूंजीगत व्यय	2.04 लाख करोड़ रु.
पूंजीगत परिव्यय	1.55 लाख करोड़ रु.

प्राप्तियां	
कुल प्राप्तियां	7.21 लाख करोड़ रु.
राजस्व प्राप्तियां	6.07 लाख करोड़ रु.
पूंजीगत प्राप्तियां	1.14 लाख करोड़ रु.
राज्य की अपनी कर प्राप्तियां (SOTR)	2.70 लाख करोड़ रु.

निधि का प्रवाह

रुपया कहां से आता है

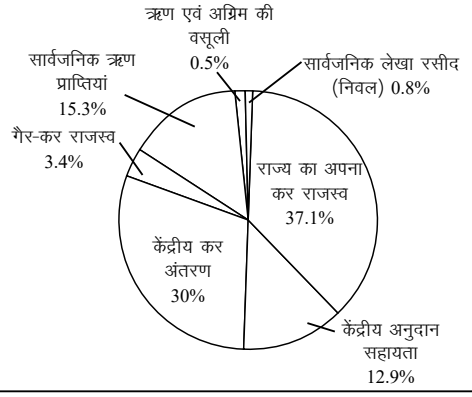

रुपया कहां जाता है

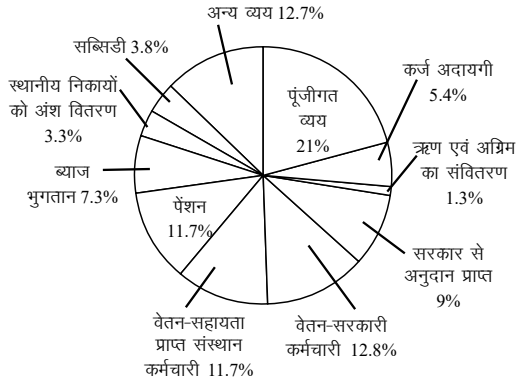

प्रमुख आर्थिक बिंदु (राज्य बजट 2024-25)	
पूंजीगत परिव्यय में वृद्धि	6.19%
राजस्व आधिक्य (GSDP के % में)	2.97%
राजकोषीय घाटा, (GSDP के % में) - राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (FRBM) के 3.5% की सीमा में	3.46%
राज्य का ऋण (GSDP के % में)	32.7%

❑ समावेशी विकास के लिए बजट : नई योजनाएं

युवा, रोजगार सृजन एवं महिला सशक्तीकरण

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान
- घरेलू एवं विदेश में रोजगार के अवसरों के लिए युवाओं में क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण के लिए रोजगार प्रोत्साहन कोष
- राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना
- 2 मेगा सरकारी आईटीआई की स्थापना और 69 आईटीआई का उन्नयन
- स्पोर्ट्स साइंस एंड इंजरी सेंटर की स्थापना
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत प्रावधानित राशि 15000 रु. से बढ़कर 25000 रु. हुई
- वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष का गठन

अवसंरचना विकास एवं औद्योगीकरण

- बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (BIDA) का गठन
- फॉर्च्यून-500 कंपनियों के लिए एफडीआई नीति, 2023
- सेमीकंडक्टर नीति, 2023
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के लिए 60 किमी. का नया लिंक एक्सप्रेस-वे
- नगरीय क्षेत्रों में स्टार्म वॉटर ड्रेनेज कार्यक्रम हेतु बजट प्रावधान

अनुसंधान एवं नवरचना

- सरकारी विभागों में AI, ML और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग
- AI सेंटर/उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना
- 'एक ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य' की प्राप्ति हेतु सांख्यिकीय प्रणालियों (SSS) का सुदृढ़ीकरण एवं ऑनलाइन डेटा स्टोरेज, क्लाउड स्टोरेज सुविधाओं की स्थापना
- आईआईटी, कानपुर में 500 बिस्तर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल वाले स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी की स्थापना

पर्यटन एवं संस्कृति

- अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, नैमिषारण्य,
- विंध्यवासिनी धाम, देवी पाटन और नाथ कॉरिडोर (बरेली) में थीम आधारित अवस्थापना सुविधाओं का विकास
- प्रयागराज में कुंभ संग्रहालय की स्थापना

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र

- मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना
- राज्य कृषि विकास योजना
- निजी ट्यूबवेल के लिए बिजली की दरों में 100 प्रतिशत सब्सिडी
- गन्ने के राज्य परामर्श मूल्य में 20 रु. प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी
- मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना
- ऑर्गेनिक कल्चर लैब, टिश्यू लैब एवं कृषि पर्यटन केंद्र की स्थापना

❑ प्रमुख वित्तीय संकेतक

महामारी के बाद, निरंतर 14% से अधिक का आर्थिक विकास

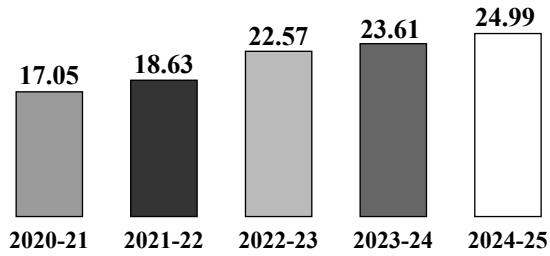

(GSDP लाख करोड़ रु. में)

प्राप्तियों में वृद्धि, मुख्यतः राज्य के अपने कर राजस्व के माध्यम से अर्जित

राज्य की राजस्व प्राप्तियां (करोड़ रु. में)

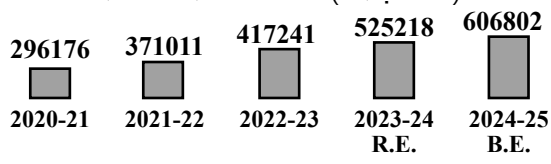

राज्य का अपना कर राजस्व (करोड़ रु. में)

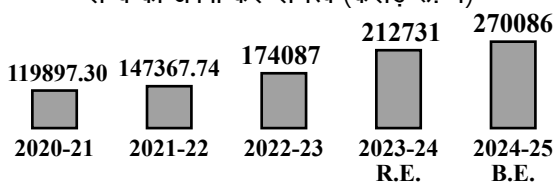

पूंजीगत व्यय पर बल

सामाजिक एवं आर्थिक सेक्टर्स में पूंजीगत व्यय से विकास

राज्य का कुल व्यय (करोड़ रु. में)

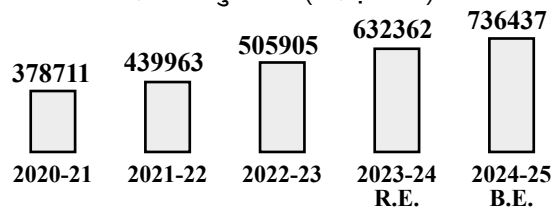

राज्य का कुल पूंजीगत परिव्यय (करोड़ रु. में)

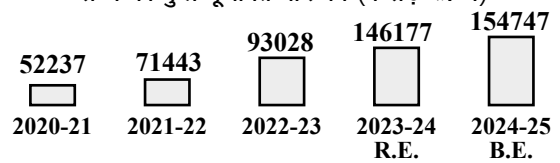

❑ प्रमुख विभागों को आवंटन (करोड़ रु. में)

प्राथमिक शिक्षा	76035
ऊर्जा	57071
पुलिस विभाग	39516
लोक निर्माण विभाग	34858
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	27086
नगर विकास	25698
ग्रामीण विकास	25409
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति	25110
पंचायती राज	21197
भारी एवं मध्यम उद्योग	21054

❑ प्रमुख योजनाओं के लिए आवंटन (करोड़ रु. में)

सर्व शिक्षा अभियान	21310
जल जीवन मिशन	22000
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	3695
पीएम आवास योजना (ग्रामीण)	2441
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	4867.39
समेकित बाल विकास योजना	5129
पेंशन (सामाजिक क्षेत्र)	12620
मनरेगा (MNREGA)	5060
पीएम ग्राम सड़क योजना	3668
पीएम आवास योजना (शहरी)	3948
स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)	2708
अमृत 2.0	4500
मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना	700

अन्न पूर्ति योजना	17661.60
ऑपरेशन कायाकल्प	1000
प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन	952
आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान	300
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना	322
स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना	4000
अटल औद्योगिक अवसंरचना मिशन	400
मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना	1020
महाकुंभ मेला 2025	2500
मुख्यमंत्री-ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (शहरी)	800
अर्बन फ्लड एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना	1000
राज्य स्मार्ट सिटी योजना	400
त्वरित आर्थिक विकास योजना	2400
मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)	1140
पीएम कुसुम योजना	449.45
राज्य कृषि विकास योजना	200
विश्व बैंक सहायतित यू.पी. एग्रीज योजना	200

❑ प्राथमिकता वाले प्रमुख क्षेत्र (सामाजिक)

➡ गरीबी उन्मूलन के साथ यू.पी. में लगभग 6 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। महिलाओं, युवाओं और किसानों को सशक्त बनाने पर विशेष बल।

पिछले वर्ष 35 लाख से अधिक किसानों को दलहन और तिलहन किट का वितरण
मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2 लाख से अधिक आवास निर्मित
6.5 लाख व्यक्तियों को यूपी के कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षण
कन्या सुमंगला योजना : मुख्यमंत्री की फ्लैगशिप योजना के अंतर्गत 17.8 लाख बेटियां लाभान्वित
एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज योजना के अंतर्गत 45 जिलों में 66 मेडिकल कॉलेजों की स्थापना
सोलर रूफटॉप अवस्थापना की क्षमता में 4 गुना वृद्धि
हरित कवरेज बढ़ाने के लिए एक वर्ष में 36 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण
मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 1.80 लाख रोजगार स्वीकृत

➡ उत्तर प्रदेश सरकार अधिकाधिक लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए सभी योजनाओं के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

बजट में नई पहल

ग्रीन बजट

26वां संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन, ग्लासगो : प्रधानमंत्री द्वारा पंचामृत कार्यकलाप के लिए भारत की प्रतिबद्धता का संकल्प

बजटीय अनुमान की ग्रीन टैगिंग करने वाला भारत का पहला राज्य

पथप्रवर्तक कदम

नीति-निर्धारण, कार्यान्वयन एवं सक्रिय अनुपालन :

	सौर ऊर्जा नीति, 2022
	राज्य जैव ऊर्जा नीति, 2022
	इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति, 2022
	जैव विविधता को प्रोत्साहन : नमामि गंगे पहल
	ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर

लाभ

- **क्षेत्रवार भागीदारी :** सतत विकास लक्ष्य (SDG) बजट, सामाजिक समानता, आदि के लिए सामूहिक कदम
- राजकोषीय ढांचे के दायरे में **सततता का सुव्यवस्थीकरण**
- **लाभकारी निजी निवेश :** प्रभावी सार्वजनिक व्यय योजना एवं ग्रीन सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) की पहल
- जलवायु लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए **नीतियों में स्पष्टता को प्रोत्साहन**

अस्वीकरण : ग्रीन बजट विश्लेषण के लिए 17 विभागों के प्रस्तावित बजट पर विचार किया गया। ग्रीन स्कोर को परिभाषित करने के लिए यह एक पैमाने की तरह प्रयोग होगा। ग्रीन बजट स्कोर अपनी प्रकृति में परिवर्तनशील है।

भारत में प्रथम		
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना	प्रधानमंत्री जनधन योजना	पीएम स्वनिधि योजना
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना		अटल पेंशन योजना
भारत में दूसरा स्थान		
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना		
उत्तर प्रदेश को डीबीटी परफॉर्मेंस रैंकिंग में दूसरा स्थान मिला जो राज्य द्वारा किए गए लक्षित एवं कुशल हस्तांतरण का प्रमाण है		

❑ प्राथमिकता वाले प्रमुख क्षेत्र (आर्थिक)

➡ उच्च विकास को बढ़ावा देने वाली आर्थिक परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन

बजट 2024-25		
	जेवर में एशिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा	1150 करोड़ रु.
	एक्सप्रेस-वे/एनएच के साथ औद्योगिक नोड्स की कनेक्टिविटी : लखनऊ-आगरा एवं पूर्वांचल	500 करोड़ रु.
	राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन	7350 करोड़ रु.
	14 नए मेडिकल कॉलेज	964 करोड़ रु.

➡ 'उद्यम' (UDYAM) के अंतर्गत पंजीकृत एमएसएमई की संख्या : 'उद्यम' में 22 लाख से अधिक एमएसएमई का पंजीकरण सुगम प्रक्रिया का परिचायक

निर्यात तत्परता सूचकांक	माल निर्यात (लाख करोड़ रु. में)	LEADS सूचकांक
वर्ष 2019 → वर्ष 2022	वर्ष 2019 → वर्ष 2022	वर्ष 2019 → वर्ष 2022
11th → 7th	11th → 7th	13th → 6th

❑ सामाजिक एवं आर्थिक परिणाम

सामाजिक परिणाम	
महिला श्रमशक्ति की भागीदारी	**मेडिकल कॉलेजों की संख्या**
वर्ष 2018 → वर्ष 2023	वर्ष 2017 → वर्ष 2023
14.2% → 32.1%	17 → 73

नल से पेयजल आपूर्ति का विस्तार (एचएचएस)	पीएमएवाई के अंतर्गत निर्मित आवास
वर्ष 2017 → वर्ष 2023	वर्ष 2017 → वर्ष 2023
2.0% → 72.07%	5.68 लाख → 47.82 लाख

अवसंरचना परिणाम	
एक्सप्रेस-वे की लंबाई (किमी. में)	**एयरपोर्ट्स की संख्या**
वर्ष 2017 → वर्ष 2022	वर्ष 2017 → वर्ष 2022
491 → 1314	4 → 19
मेट्रो रेल सिस्टम की लंबाई (किमी. में)	**विद्युत ऊर्जा की संस्थापित क्षमता (MW में)**
वर्ष 2017 → वर्ष 2023	वर्ष 2017 → वर्ष 2023
9.3 (2 शहरों में) → 108.4 (5 शहरों में)	23662 → 29912

❑ वर्ष 2024-25 में आय-व्यय के बजट अनुमान

➡ वित्तीय वर्ष 2024-2025 के राज्य बजट में कुल 7,21,333.82 करोड़ रुपये की प्राप्तियों का अनुमान लिया गया है, जिसमें राजस्व लेखे में 6,06,802.40 करोड़ रुपये तथा पूंजी लेखे में 1,14,531.42 करोड़ रुपये की प्राप्तियों का अनुमान है।

➲ यह प्राप्तियां वर्ष 2023-2024 की कुल प्राप्तियों के पुनरीक्षित अनुमानों 6,27,644.92 करोड़ रुपये से 93,688.90 करोड़ रुपये अधिक हैं।

➡ राजस्व प्राप्ति पक्ष में पुनरीक्षित अनुमानों 5,25,217.84 करोड़ रुपये की तुलना में बजट वर्ष 2024-2025 में कुल 81,584.56 करोड़ रुपये की वृद्धि (15.53%) अनुमानित है, जिसमें राज्य के स्वयं के कर राजस्व की मद में 57,354.61 करोड़ रुपये (26.96%) एवं केंद्रीय करों में राज्यांश में 20,681.79 करोड़ रुपये (10.44%) की वृद्धि अनुमानित है।

➡ राज्य के स्वयं के कर राजस्व में 57,354.61 करोड़ रुपये (26.96%) की वृद्धि अनुमानित है, जिसमें मुख्यतः राज्य वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत 26,472.34 करोड़ रुपये, राज्य उत्पाद शुल्क (आबकारी कर) के अंतर्गत 8,307.56 करोड़ रुपये, बिक्री व्यापार कर (VAT) के अंतर्गत 6,553.16 करोड़ रुपये, स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क के अंतर्गत 8,314.30 करोड़ रुपये, वाहन कर के अंतर्गत 4,190.64 करोड़ रुपये तथा विद्युत कर एवं शुल्क में 5,397.18 करोड़ रुपये की वृद्धि और भू-राजस्व में 1,880.57 करोड़ रुपये की कमी अनुमानित है।

➡ **राजस्व लेखे की प्राप्तियां** - राज्य सरकार के स्वयं के कर राजस्व की प्रमुख मदों का विवरण इस प्रकार है :

(करोड़ रु. में)				
मदें	**पुनरीक्षित अनुमान 2023-24**	**बजट अनुमान 2024-25**	**न्यूनाधिकताऐं वृद्धि (+)/कमी (-)**	**प्रतिशत वृद्धि/कमी**
1. राज्य वस्तु एवं सेवा कर	87776.39	114248.73	(+)26472.34	30.16
2. भू-राजस्व	2743.52	862.95	(-)1880.57	(-)68.55
3. स्टांप तथा पंजीकरण शुल्क	27337.63	35651.93	(+)8314.30	30.41
4. राज्य उत्पाद शुल्क (आबकारी कर)	50000.00	58307.56	(+)8307.56	16.62
5. बिक्री व्यापार कर (VAT)	36180.00	42733.16	(+)6553.16	18.11
6. वाहन कर	8314.09	12504.73	(+)4190.64	50.40
7. विद्युत कर तथा शुल्क	379.76	5776.94	(+)5397.18	1421.21
योग	**212731.39**	**270086.00**	**(+)57354.61**	**26.96**

➡ बजट वर्ष 2024-2025 में राज्य के स्वयं के कर राजस्व में वर्ष 2023-2024 के पुनरीक्षित अनुमान 2,12,731.39 करोड़ रुपये की तुलना में 57,354.61 करोड़ रुपये (26.96 प्रतिशत) की वृद्धि होने का अनुमान है।

➡ **राजस्व लेखे का व्यय -** वर्ष 2023-2024 के राज्य बजट में राजस्व व्यय हेतु 5,02,354.01 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में राजस्व लेखे का अनुमानित व्यय 5,32,655.33 करोड़ रुपये है। इस प्रकार बजट वर्ष 2024-2025 में राजस्व लेखे के व्यय की मद में 30,301.32 करोड़ रुपये का अधिक व्यय अनुमानित है।

➡ राजस्व लेखे के अंतर्गत व्यय की प्रमुख मदें निम्नवत हैं -

(करोड़ रु. में)			
मदें	**बजट अनुमान 2023-24**	**बजट अनुमान 2024-25**	**प्रतिशत वृद्धि/कमी**
ब्याज की अदायगी	52755.56	56211.99	6.55
शिक्षा, खेलकूद, कला एवं संस्कृति	77455.03	92169.48	19.00
स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण	37335.02	34221.54	(–)8.34
समाज कल्याण तथा पोषण	31964.98	32933.76	3.03
कृषि तथा संबद्ध कार्यकलाप	16406.77	17764.06	8.27
ग्राम्य विकास	23153.10	27398.18	18.33
ऊर्जा	27215.15	26181.95	(–)3.80
परिवहन	7118.29	7712.69	8.35

➡ **पूंजी लेखे का व्यय -** वर्ष 2023-2024 के राज्य बजट में पूंजी लेखे के व्यय में 1,87,888.42 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई थी। बजट वर्ष 2024-2025 में 2,03,782.38 करोड़ रुपये का पूंजी लेखे का व्यय अनुमानित है। इस प्रकार इसमें बजट वर्ष 2024-2025 में कुल 15,893.96 करोड़ (8.46 प्रतिशत) की वृद्धि अनुमानित है ।

➲ इसमें मुख्यत: पूंजीगत परिव्यय के अंतर्गत कुल 7,255.18 करोड़ रुपये (4.92%) की वृद्धि हुई है ।

➲ राज्य सरकार के आंतरिक ऋण के अंतर्गत 9,540.53 करोड़ रुपये (32.24%) की वृद्धि अनुमानित की गई है।

➡ **सकल कर प्राप्तियां/सकल राज्य घरेलू उत्पाद-** कर राजस्व का सकल राज्य घरेलू उत्पाद के साथ प्रतिशत 2022-23 के वास्तविक आंकड़ों में 15.2 प्रतिशत, वर्ष 2023-24 के पुनरीक्षित अनुमानों में 17.4 प्रतिशत तथा वर्ष 2024-25 के बजट अनुमानों में 19.6 प्रतिशत है।

➡ **ऋणकोष/सकल राज्य घरेलू उत्पाद-** वर्ष 2014-15 में यह अनुपात 25.6 प्रतिशत था, जो वर्ष 2022-23 में 29.7 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2023-24 के पुनरीक्षित अनुमानों में यह 31.7 प्रतिशत और वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में 32.7 प्रतिशत है।

➲ उदय योजना के अंतर्गत विद्युत वितरण कंपनियों की वित्तीय पुनर्संरचना के लिए वित्तीय वर्ष 2015-16 में 29,602.60 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2016-17 में 14,801.29 करोड़ रुपये के पॉवर बाण्ड्स जारी करने के कारण इसमें वृद्धि हुई है।

➡ **राजकोषीय घाटा -** राजकोषीय घाटा के तीन घटक हैं- राजस्व घाटा, पूंजीगत परिव्यय तथा शुद्ध प्रदत्त ऋण एवं अग्रिम।

(करोड़ रु. में)		
वर्ष	**राजकोषीय घाटा**	**सकल राज्य घरेलू उत्पाद**
2020-21	54622.11	1705594
स.रा.घ.उ. से प्रतिशत	3.20	
2021-22	39286.42	1863221
स.रा.घ.उ. से प्रतिशत	2.11	